अंतरिक्ष विभाग

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

सूचना का अधिकार (स्व-प्रकटीकरण)

अंतरिक्ष विभाग द्वारा अपने कार्य के निर्वहन के लिए बनाए गए मानदंड

अंतरिक्ष विभाग का प्राथमिक कार्य, आत्मनिर्भरता के तौर पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का विकास करना तथा राष्ट्रीय विकास से संबंधित उपयोगों पर कार्य करना है। प्रतिपादित कार्यों में संचार, नौवहन तथा भू प्रेक्षण के लिए उपग्रहों का डिजाइन, विकास, प्रापण तथा प्रचालनीकरण, उपग्रहों के प्रमोचन के लिए आवश्यक प्रमोचक राकेटों का विकास तथा प्रापण, नवीन अंतरिक्ष उपयोग के क्रियान्वयन तथा अंतरिक्ष विज्ञान अनुसंधान एवं ग्रहीय अन्वेषण मिशन शामिल हैं।

कार्य की प्रकृति, उद्योग के मानक तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रचलन को ध्यान में रखते हुए, इन कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की अवधि के दौरान विभाग द्वारा मानदंड तथा मानकों का विकास किया गया है। 1997 में सरकार द्वारा अनुमोदित उपग्रह संचार नीति, गैर सरकारी पक्षों को इन्सैट क्षमता (प्रेषानुकर) को पट्टे पर देना प्राधिकृत करती है तथा इस नीतिगत कार्यढाँचा के क्रियान्वयन के लिए मानदंड, दिशानिर्देश तथा प्रक्रियाएं विकसित की गई हैं।

यह मानते हुए कि सुदूर संवेदन उपग्रह आंकड़ा, समाज के लिए लाभ के विकासात्मक क्रियाकलापों के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं, विभाग ने देश में सुदूर संवेदन आंकड़ा के अर्जन तथा वितरण के लिए नीतिगत दिशानिर्देश तथा मानदंड तैयार किये हैं। सुदूर संवेदन आंकड़ा नीति 2011, गैर-विविक्तकरण के आधार पर तथा ''यथा अनुरोध के आधार पर'' 1 मी. तक के विभेदन के उपग्रह सुदूर संवेदन आंकड़ों के प्रकीर्णन को अनुमति प्रदान करती है। राष्ट्रीय सुरक्षा के हित के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए, 1 मी. के विभेदन से बेहतर के सभी आंकड़े सन्निरक्षित किया जाएगा तथा वितरण के पहले उचित एजेन्सी द्वारा अनुमति प्रदान की जाएगी। व्यवस्थित सुदूर संवेदन आंकड़ों के अभिग्रहण तथा सभी अर्जन लॉग के अनुरक्षण हेतु राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एन.आर.एस.सी.) के लिए मानदंड तैयार किये गये हैं।

विभाग, अनुसंधान तथा विकास के क्रियाकलापों के लिए, आवश्यक भंडार की विभिन्न सामग्री तथा उपकरणों का क्रय करता है। इष्टतम तथा समान क्रय प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए, विभाग ने एक क्रय मैनुअल तैयार किया है। इसमें क्रय प्रक्रिया में शामिल सभी प्रमुख चरण जैसे निविदा, मूल्यांकन, आदेश जारी करना तथा भुगतान के लिए मानदंड विर्निदिष्ट किए गए हैं। उपग्रह तथा प्रमोचक राकेट के निर्माण के लिए आवश्यक विशिष्ट अवसंरचना को तैयार करने के लिए विभाग, इसरो के विभिन्न केंद्र/यूनिटों में निर्माण कार्य भी करता है। विभाग ने निर्माण के कार्य से संबंधित लागत अनुमान, निविदा तथा संविदा प्रबंधन कार्यों के लिए मानदंड, मानक तथा दिशानिर्देश बनाए हैं।

साथ ही, मूलभूत नियम, पूरक नियम, सामान्य वित्तीय नियम, कार्यालय प्रक्रिया के मैनुअल इत्यादि के रूप में भारत सरकार द्वारा बनाए गए नियम तथा विनियमों का समुचित संशोधन कर, जहाँ कहीं भी विभाग के प्रकार्य में आवश्यकता हो, अनुपालन किया जाता है।

स्रोत: आर.टी.आई. प्रकोष्ठ, अं.वि./इसरो मु.